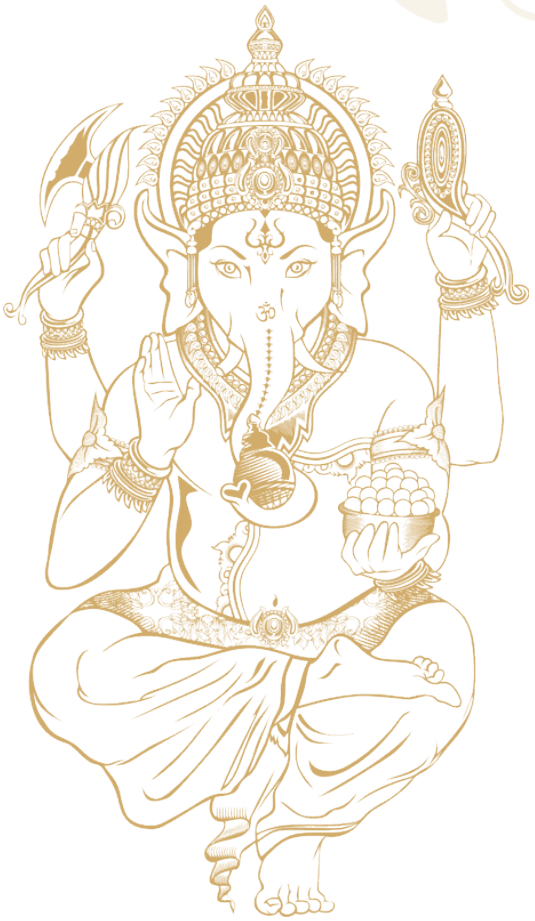

Mr. Ayush raj chaturvedi

05 Oct 2008

03:35 AM

Bihar

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120487007

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/2008**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:35:00 घंटे**
इष्ट	54:27:38 घटी
स्थान	**Bihar**
देश	India

अक्षांश	24:11:00 उत्तर
रेखांश	83:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:19 घंटे
साम्पातिक काल	04:36:06 घंटे
सूर्योदय	05:47:56 घंटे
सूर्यास्त	17:38:32 घंटे
दिनमान	11:50:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:03:51 कन्या
लग्न के अंश	16:56:58 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:56:58	326:13:14	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	18:03:51	00:59:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	21:21:13	11:52:00	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	तुला	06:30:39	00:40:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	22:15:17	01:08:24	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			धनु	19:40:14	00:04:56	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			तुला	19:11:04	01:13:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	21:44:08	00:07:03	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	22:50:15	00:04:39	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	22:50:15	00:04:39	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	25:50:49	00:02:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
नेप	व		मक	27:42:16	00:00:53	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:41:17	00:00:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	16:38:39	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:57

लग्न-चलित

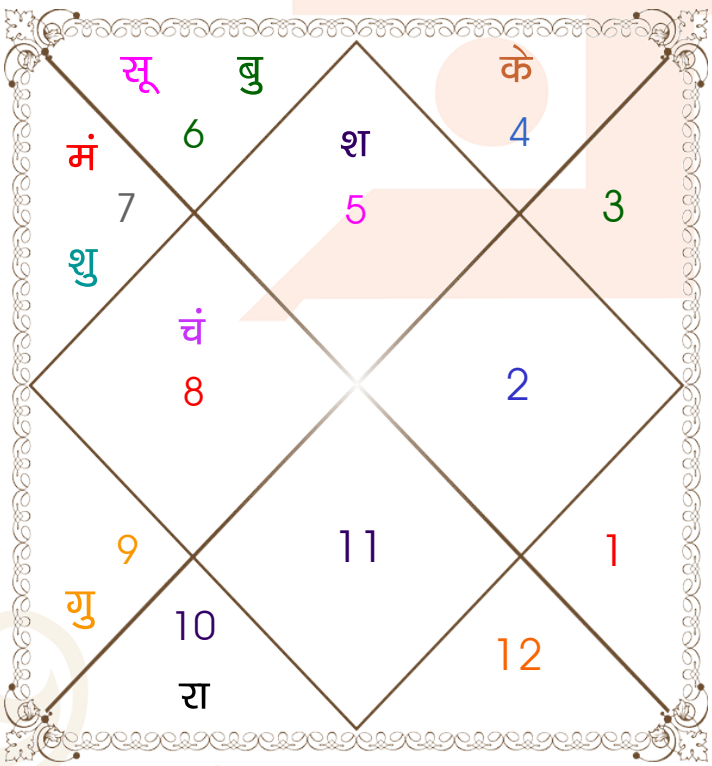

चन्द्र कुंडली

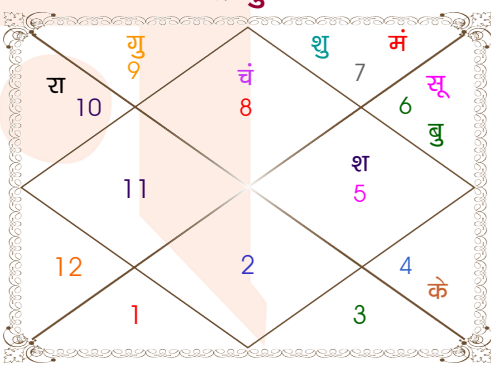

नवमांश कुंडली

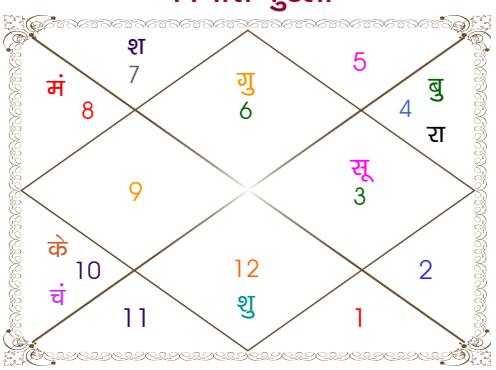

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 0 मास 8 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/10/2008		14/10/2019		14/10/2026		14/10/2046		13/10/2052	
14/10/2019		14/10/2026		14/10/2046		13/10/2052		14/10/2062	
	00/00/0000	केतु	11/03/2020	शुक्र	12/02/2030	सूर्य	01/02/2047	चंद्र	14/08/2053
	05/10/2008	शुक्र	11/05/2021	सूर्य	13/02/2031	चंद्र	02/08/2047	मंगल	15/03/2054
शुक्र	07/01/2009	सूर्य	16/09/2021	चंद्र	13/10/2032	मंगल	08/12/2047	राहु	14/09/2055
सूर्य	13/11/2009	चंद्र	17/04/2022	मंगल	14/12/2033	राहु	01/11/2048	गुरु	13/01/2057
चंद्र	15/04/2011	मंगल	13/09/2022	राहु	13/12/2036	गुरु	20/08/2049	शनि	14/08/2058
मंगल	11/04/2012	राहु	02/10/2023	गुरु	14/08/2039	शनि	02/08/2050	बुध	13/01/2060
राहु	29/10/2014	गुरु	07/09/2024	शनि	14/10/2042	बुध	08/06/2051	केतु	14/08/2060
गुरु	03/02/2017	शनि	17/10/2025	बुध	14/08/2045	केतु	14/10/2051	शुक्र	14/04/2062
शनि	14/10/2019	बुध	14/10/2026	केतु	14/10/2046	शुक्र	13/10/2052	सूर्य	14/10/2062

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/10/2062		14/10/2069		14/10/2087		15/10/2103		15/10/2122	
14/10/2069		14/10/2087		15/10/2103		15/10/2122		00/00/0000	
मंगल	12/03/2063	राहु	26/06/2072	गुरु	01/12/2089	शनि	18/10/2106	बुध	13/03/2125
राहु	30/03/2064	गुरु	19/11/2074	शनि	14/06/2092	बुध	27/06/2109	केतु	10/03/2126
गुरु	05/03/2065	शनि	25/09/2077	बुध	20/09/2094	केतु	06/08/2110	शुक्र	06/10/2128
शनि	14/04/2066	बुध	14/04/2080	केतु	26/08/2095	शुक्र	06/10/2113		00/00/0000
बुध	12/04/2067	केतु	02/05/2081	शुक्र	26/04/2098	सूर्य	18/09/2114		00/00/0000
केतु	08/09/2067	शुक्र	02/05/2084	सूर्य	13/02/2099	चंद्र	18/04/2116		00/00/0000
शुक्र	07/11/2068	सूर्य	27/03/2085	चंद्र	15/06/2100	मंगल	28/05/2117		00/00/0000
सूर्य	15/03/2069	चंद्र	26/09/2086	मंगल	22/05/2101	राहु	03/04/2120		00/00/0000
चंद्र	14/10/2069	मंगल	14/10/2087	राहु	15/10/2103	गुरु	15/10/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।